वार्षिक पत्रिका
1996-97

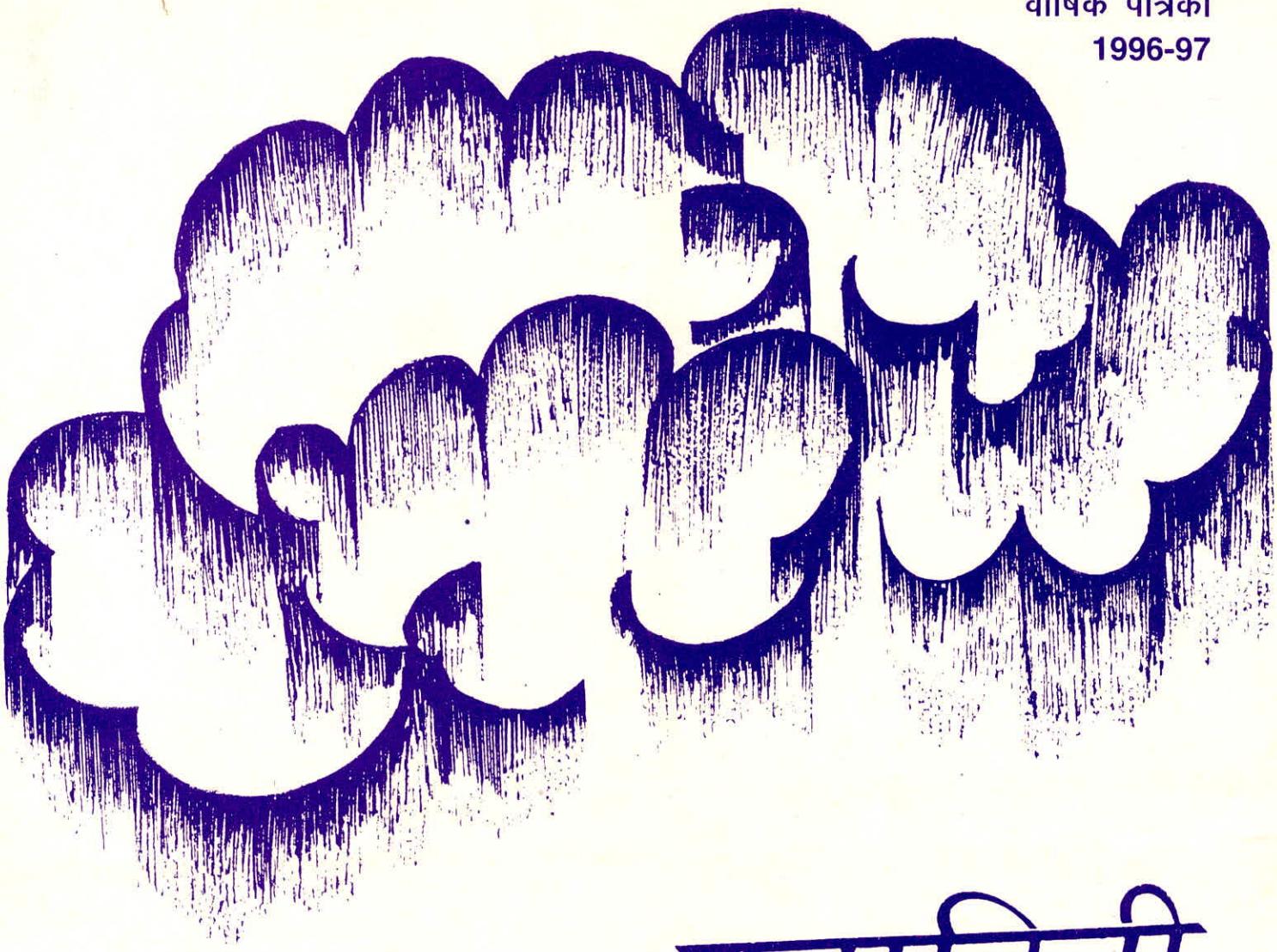

प्रवाहिनी

राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान
रूड़की - 247 667

वार्षिक पत्रिका
1996-97

प्रवाहिनी

राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान
रूड़की - 247 667

सम्पादक मण्डल

डा. भूपेन्द्र सोनी, वैज्ञा."ई"
मनमोहन कुमार गोयल, वैज्ञा."सी" एवं हिन्दी अधिकारी
मुहम्मद फुरकानुल्लाह, "वरिष्ठ तकनीकी सहायक"

टंकण

महेन्द्र सिंह, आशुलिपिक (हिन्दी)

त्रुटि शोधन

पुष्पेन्द्र कुमार अग्रवाल, व. शो. स.

रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने है। सम्पादक मण्डल का उनसे सहमत होना अनिवार्य नहीं है।

डा. सौभाग्य मल सेठ
निदेशक

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
रुड़की

संदेश

हार्दिक प्रसन्नता का विषय है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान गत वर्षों की भांति अपनी हिन्दी वार्षिक पत्रिका "प्रवाहिनी" का प्रकाशन कर रहा है।

हिन्दी के माध्यम से संस्थान के सदस्यों में छिपी साहित्यिक प्रतिभा को उजागर करने का यह एक सराहनीय प्रयास है। किसी भी समाज के विकास के लिए केवल तकनीकी एवं वैज्ञानिक क्षेत्र में की गई उन्नति ही पर्याप्त नहीं है। भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक एवं भावनात्मक उन्नति की भी बहुत आवश्यकता है । यदि वैज्ञानिक पक्ष मानव समाज की बुद्धि हैं तो भावनात्मक पक्ष उसका हृदय है। समाज के सम्पूर्ण विकास के लिए सभी पक्षों की सतुलित प्रगति अत्यन्त आवश्यक है।

मेरा विश्वास है कि "प्रवाहिनी" के माध्यम से संस्थान के सदस्य अपनी साहित्यिक प्रतिभा को व्यक्त करने में सक्षम होगें। मैं इस प्रकाशन की सफलता की शुभकामना करता हूं।

स्थान : रुड़की
दिनांक: 16 सितम्बर, 1997

सौभाग्य सेठ

(सौभाग्य मल सेठ)

सम्पादकीय

नवीन रचनाओं पर आधारित राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान की हिन्दी वार्षिक पत्रिका "प्रवाहिनी" का चतुर्थ पुष्प आपकी अंजली में है।

जिस प्रकार आत्मा के बिना शरीर का कोई महत्व नहीं, उसी प्रकार साहित्य के बिना समाज अधूरा है। कोई समाज चाहे कितनी ही वैज्ञानिक तरक्की क्यों न कर ले, परन्तु जब तक उसका साहित्यिक, आध्यातमिक एवं भावनात्मक पक्ष सुदृढ नहीं होगा, उसे पूर्ण रुप से समृद्ध समाज नहीं कहा जा सकता है। विज्ञान और साहित्य एक दूसरे पर अवलम्बित हैं व एक दूसरे के पूरक हैं। गौरव की बात है कि हमारे संस्थान में न केवल जलविज्ञान के क्षेत्र में ही, बल्कि अन्य साहित्यिक क्षेत्रों में भी बहुत सी प्रतिभाएं मौजूद हैं। इन्हीं प्रतिभाओं की मूल रचनाओं का संकलन "प्रवाहिनी" आपके सम्मुख है।

सम्पादक मण्डल उन सभी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है जिन्होंने अपने परिश्रम व प्रतिभा से प्रवाहिनी के प्रकाशन में अपना सहयोग प्रदान किया है। हम अपने निदेशक महोदय के भी आभारी हैं, जिनकी प्रेरणा एवं उत्साहवर्धन से ही इस पत्रिका का प्रकाशन सम्भव हो सका है।

सम्पादक मण्डल

अनुक्रमणिका

			पृष्ठ संख्या
1.	हिन्दी भाषा - एक परिचय	- डा. आशा कपूर	1
2.	इंसा भी क्या बला है	- रमाकर झा	7
3.	नाभिकीय शक्तिः एक प्रलयंकारी प्रयोग	- अशोक कुमार द्विवेदी	8
4.	शहर और गाँव	- सतीश कुमार कश्यप	10
5.	फ्लोरोसिस - एक समस्या	- मुकेश कुमार शर्मा	11
6.	प्यार	- अनिल कुमार लोहानी	12
7.	पुनर्जन्म का रहस्य	- डा. भीष्म कुमार	13
8.	यह कभी न हो	- गुरदीप सिंह दुआ	19
9.	आम के आम गुठलियों के दाम	- मुहम्मद फुरकानुल्लाह	20
10.	सूखा ग्रस्त	- अंजू चौधरी	22
11.	जल संसाधन के क्षेत्र में राष्ट्र को समर्पित तकनीकी संस्थान	- पंकज कुमार गर्ग	23
12.	पानी की पुकार	- मुकेश कुमार शर्मा	26
13.	इन्टरनेटः एक संक्षिप्त परिचय	- प्रदीप कुमार	27
14.	कविता और विज्ञान	- राकेश कुमार गोयल	30
15.	जल और पर्यावरण	- कु. यास्मीन इकबाल	31
16.	21 वीं शताब्दी में जल का महत्व	- कु. इन्दू बाला	39
17.	देश की जल संबंधी समस्याएं एवं समाधान	- मनोज कुमार सागर	42

पृष्ठ संख्या

18. देश की जल संबंधी समस्याएं एवं समाधान 47
- पुष्पेन्द्र कुमार अग्रवाल

19. देश की जल संबंधी समस्याएं एवं समाधान 50
- तिलक राज सपरा

20. देश की जल संबंधी समस्याएं एवं समाधान 53
- सुभाष किचलू

****